मधुराष्टकम्

Madhurashtakam – संस्कृत, हिंदी अर्थ सहित

॥ श्रीमद्वल्लभाचार्यविरचितं मधुराष्टकम् ॥

अधरं मधुरं वदनं मधुरं
नयनं मधुरं हसितं मधुरम् ।
हृदयं मधुरं गमनं मधुरं
मधुराधिपतेरखिलं मधुरम् ॥१ ॥

अर्थ: श्रीकृष्ण के होंठ मधुर हैं, मुख मधुर है, नेत्र मधुर हैं और मुस्कान मधुर है। उनका हृदय मधुर है और चाल भी मधुर है। मधुरता के स्वामी का सब कुछ मधुर है।

वचनं मधुरं चरितं मधुरं
वसनं मधुरं वलितं मधुरम् ।
चलितं मधुरं भ्रमितं मधुरं
मधुराधिपतेरखिलं मधुरम् ॥२ ॥

अर्थ: उनकी बातें मधुर हैं, उनका चरित्र और लीलाएँ मधुर हैं, उनके वस्त्र मधुर हैं और उनके अंगों का मुड़ना (त्रिभंगी मुद्रा) मधुर है। उनका चलना मधुर है और इधर-उधर घूमना भी मधुर है। मधुरता के स्वामी का सब कुछ मधुर है।

वेणुर्मधुरो रेणुर्मधुरः
पाणिर्मधुरः पादौ मधुरौ ।
नृत्यं मधुरं सख्यं मधुरं
मधुराधिपतेरखिलं मधुरम् ॥३ ॥

अर्थ: उनकी बाँसुरी मधुर है, उनके चरणों की धूल मधुर है, उनके हाथ मधुर हैं और चरण भी मधुर हैं। उनका नृत्य मधुर है और उनकी मित्रता भी मधुर है। मधुरता के स्वामी का सब कुछ मधुर है।

गीतं मधुरं पीतं मधुरं
भुक्तं मधुरं सुप्तं मधुरम् ।
रूपं मधुरं तिलकं मधुरं
मधुराधिपतेरखिलं मधुरम् ॥४ ॥

अर्थ: उनका गायन मधुर है, उनका पीना मधुर है (कुछ लोग 'पीतं' को पीतांबर भी समझते हैं), उनका भोजन करना मधुर है और सोना भी मधुर है। उनका रूप मधुर है और माथे का तिलक भी मधुर है। मधुरता के स्वामी का सब कुछ मधुर है।

chalisa-pdf.com

करणं मधुरं तरणं मधुरं
हरणं मधुरं रमणं मधुरम् ।
वमितं मधुरं शमितं मधुरं
मधुराधिपतेरखिलं मधुरम् ॥५ ॥

अर्थ: उनके कार्य मधुर हैं, भक्तों को भवसागर से पार लगाना मधुर है, माखन और मन चुराना मधुर है, उनका क्रीड़ा करना मधुर है। उनका कुछ भी त्याग देना मधुर है और शांत भाव भी मधुर है। मधुरता के स्वामी का सब कुछ मधुर है।

गुञ्जा मधुरा माला मधुरा
यमुना मधुरा वीची मधुरा ।
सलिलं मधुरं कमलं मधुरं
मधुराधिपतेरखिलं मधुरम् ॥६ ॥

अर्थ: उनकी गुंजा (घुंघची के बीज) मधुर है, उनकी माला मधुर है, यमुना मधुर है और यमुना की लहरें भी मधुर हैं। यमुना का जल मधुर है और उसमें खिले कमल भी मधुर हैं। मधुरता के स्वामी का सब कुछ मधुर है।

गोपी मधुरा लीला मधुरा
युक्तं मधुरं मुक्तं मधुरम् ।
दृष्टं मधुरं शिष्टं मधुरं
मधुराधिपतेरखिलं मधुरम् ॥७ ॥

अर्थ: गोपियाँ मधुर हैं, उनकी लीलाएँ मधुर हैं, उनका साथ होना मधुर है और उनसे बिछड़ना (मुक्त होना) भी मधुर है। उनकी दृष्टि मधुर है और उनका शिष्ट व्यवहार भी मधुर है। मधुरता के स्वामी का सब कुछ मधुर है।

गोपा मधुरा गावो मधुरा
यष्टिर्मधुरा सृष्टिर्मधुरा ।
दलितं मधुरं फलितं मधुरं
मधुराधिपतेरखिलं मधुरम् ॥८ ॥

अर्थ: ग्वाल-बाल मधुर हैं, गायें मधुर हैं, उनकी छड़ी मधुर है और उनकी रची सृष्टि भी मधुर है। उनका दुष्टों का दमन करना मधुर है और भक्तों को फल देना भी मधुर है। मधुरता के स्वामी का सब कुछ मधुर है।

॥ इति श्रीमद्वल्लभाचार्यविरचितं मधुराष्टकं सम्पूर्णम् ॥

chalisa-pdf.com

Madhurashtakam Lyrics in English

Adharam madhuram vadanam madhuram
Nayanam madhuram hasitam madhuram
Hridayam madhuram gamanam madhuram
Madhuradhipater-akhilam madhuram ||1||

Vachanam madhuram charitam madhuram
Vasanam madhuram valitam madhuram
Chalitam madhuram bhramitam madhuram
Madhuradhipater-akhilam madhuram ||2||

Venur-madhuro renur-madhurah
Panir-madhurah padau madhurau
Nrityam madhuram sakhyam madhuram
Madhuradhipater-akhilam madhuram ||3||

Gitam madhuram pitam madhuram
Bhuktam madhuram suptam madhuram
Rupam madhuram tilakam madhuram
Madhuradhipater-akhilam madhuram ||4||

Karanam madhuram taranam madhuram
Haranam madhuram ramanam madhuram
Vamitam madhuram shamitam madhuram
Madhuradhipater-akhilam madhuram ||5||

Gunja madhura mala madhura
Yamuna madhura vichi madhura
Salilam madhuram kamalam madhuram
Madhuradhipater-akhilam madhuram ||6||

Gopi madhura lila madhura
Yuktam madhuram muktam madhuram
Drishtam madhuram shishtam madhuram
Madhuradhipater-akhilam madhuram ||7||

Gopa madhura gavo madhura
Yashtir-madhura srishtir-madhura
Dalitam madhuram phalitam madhuram
Madhuradhipater-akhilam madhuram ||8||

और भी चालीसा, आरती व स्तोत्र PDF के लिए देखें: www.chalisa-pdf.com